द्योतित	पता देते हैं
द्योतक	ज्ञान कराने वाला
द्युति	प्रकाश, दीप्ति, महिमा, गौरव
प्रकरण	निरूपण, व्याख्या, प्रसंग
प्रकर्ष	श्रेष्ठता, प्रबलता, सामर्थ्य, शक्ति
द्रव्याष्टक वैशेषिक	पाँच भूत, काल, दिशा और मन
प्रव्रज्या	साधु, सन्यासी, बौद्ध भिक्षु
प्रादुर्भाव	प्रकट
प्रोक्ता	नियन्ता
प्रागभाव	प्रथम, प्रकट
प्राग्भार वाला	ऊँचे उठी हुई भूमि जहाँ जल रुक जाता है अर्थात् कैवल्य के अभिमुख
प्राक्	पहले
प्राकृत	प्रचलित
प्राप्यप्रापक	प्राप्त कराने वाला, स्थापित करने वाला
प्राशुभाव	शीघ्रता
प्रबोधक-उद्बोधक	उकसाने वाले
प्रभूति	सामर्थ्य, शक्ति
प्रभव	निरोध के संस्कारों का प्रकट होने का स्थान
प्रच्युत	स्थान भ्रष्ट
प्रलियमान	प्रलय
प्रति	सामने
प्रतिप्रसव	प्रलय
प्रतिबद्ध	घिरा हुआ
प्रतिगर	प्रोत्साहक मन्त्र विशेष
प्रतिनियत	उलटा
प्रतिषिद्ध	वर्जित, अस्वीकृत
प्रतिकार	हटना, नाश
प्रतिलोम	अपने कारण मे लय होना
प्रतिपाद्य	व्याख्या किये हुऐ
प्रतिपादक	अच्छी तरह समझा के बात कहना, प्रमाणित करने

	वाला, व्याख्या करने वाला
प्रतिपादनीय	प्रर्दशित करने योग्य
प्रतिपत्ति	प्रवृत्ति
प्रतिसंसृज्यमान	प्रलय को प्राप्त होते हुए
प्रतिर्सग	प्रलय
प्रतिश्याय	जुकाम
प्रतियोगी	निरूपक
प्रतिषेध	निषेध करना, विरुद्ध कथन, अस्वीकृति, निवारण करना, खण्डन
प्रविलय	लय
प्रकृति	प्र + कृति, जड़ जगत्, तीन गुणों से सन्निविष्ट, दर्शन शक्ति
प्रकृत	प्रकरण में
प्रकर्ष	सामर्थ्य, शक्ति
प्रलीन	घुला हुआ, लुप्त, चेतन शून्य
प्रमाद	असावधानी, अवहेलना, लापरवाही
प्रमत्त	पागल, लापरवाह, असावधान
प्रमथन	चोट पहुँचाना, वध, मन्थन
प्रणीत	प्रस्तुत, उपस्थित
प्रपञ्चित	विस्तारूप से लिखा हुआ
प्रसंख्यान	परिपक्व विवेक-ख्याति अर्थात् धर्ममेघ समाधि, विलक्षण तत्त्वों पर यथा क्रम से विचार करना
प्रशस्त	प्रशंसनीय, श्रेष्ठ
प्रसव	उत्पत्ति
प्रतर्क	अनुमान, विचार-विमर्श
प्रथम पुरुष	वह
प्रत्यान्तराणी	समाधि की वृत्तियों से भिन्न व्युत्थान की वृत्तियाँ
प्रत्याशा	प्रति + आशा
प्रत्यासन्न	निकट, समीप
प्रत्यासत्ति	साथ साथ रहना

प्रत्यभिज्ञा	पहचान
प्रत्यक्	भीतर की ओर, विरुद्ध
प्रत्यर्थनियत	एक ही विषय को ग्रहण करने वाला चित्त
प्रत्युपकार	बदले में सेवा
प्रत्युत	बल्कि
प्रत्यक्ष	प्रति + अक्ष, आँखों और इन्द्रियों द्वारा स्पष्ट देखा गया
प्रत्यय	धारणा, अनुभव, बुद्धि
प्रवर्तित	आरंभ किया गया
प्रवृत्त	चालू है
प्रवर्तक	आरंभ करने वाला
प्रक्षालन	धो डालना
प्रयुक्त	प्रयोग में लाया गया, प्रेरित किया हुआ, प्रचलित, फलित, युक्त, बेसुध
प्रष्टा	प्रश्न करने वाला
व्रात्य	यज्ञोपवीत के संस्कार से हीन
उद्यत	दृढ़ संकल्प, चेष्टा, परिश्रम
उरु	जंघा
उन्नेय	उपर कही हुई
उभयात्मिका	दोनों चिह्न रखने वाला
उभयाकार	दोनें आकार की, दोनें चिह्न रखने वाला
उच्छेद	उखाड़ने
उच्यते	उच्चारण
उद्भव	उत्पत्ति, रचना, जन्म, प्रसव, स्रोत
उद्धृत	निचोड़ कर निकाला हुआ
उदात्त	उच्च, भद्र, उदार
उदासीन	प्रकृति के उत् + आसीन
उदक	जलमय
उत्तम पुरुष	मैं
उत्तमोत्तम	सब से उत्तम
उत्तरकालिक	आगे होने वाला
उपादानम्	भौतिक कारण, सामग्री जिससे कोई वस्तु बने जैसे
	तन्तु वस्त्र क उपादान कारण हैं, प्राप्त करना, वर्णन, संसारिक पदार्थों से ज्ञानेन्द्रियों व मन को हटाना
उपादेय	ग्रहण करने योग्य
उपोद्घात	उदाहरण, दृष्टान्त
उपारूढ़	पास, उप + आरूढ़
उपायास	आयास = प्रत्यन, कष्ट, श्रम, थकावट
उपचार	संस्कार, गौण प्रयोग
उपचरः	निकट जाना, चिकित्सा
उपचय	इकट्ठा
उपचर्यान्त	उपचर + अन्त
उपधान	प्रतीति या व्यवहार
उपदेष्ट	अध्यात्म शिक्षण
उपदर्शित	निर्देशक
उपेक्षा	नज़र अन्दाज, उदासीनता, छोड़ना
उपेक्षणीय	मानने योग्य नहीं हैं
उपेय	प्राप्त कर लेने कर योग्य
उपगृहीत	अच्छी प्रकार से ग्रहण
उपगत	घटित, प्राप्त, अनुभूत
उपग्रह	सम्मिलित, जोड़ना, अनुग्रह
उपदिष्ट	उपदेश करने वाला
उपहित	रक्खा गया
उपजन	वृद्धि, जोड़, उगना
उपकार	सहायता, सेवा
उपमान	सादृश्य
उपन्यास	उद्देश्य, निकट रखना, अमानत, शिक्षा, विधि, संकेत, भूमिका, सुझाव
उपपादन	प्रमाणित करना
उपपत्ति	जन्म, हेतु
उपरक्त	रंजित, रँगा हुआ, हटा हुआ, कष्ट ग्रस्त, ग्रहण ग्रस्त, दुःखी, सम्बद्ध, ईच्छा से शून्य
उपराग	विषय का चित्त मे प्रतिबिम्ब

	पड़ना, रंग
उपराम	दूर, बाद में, निवृत्ति, विरक्ति
उपरामता	यज्ञादि विहित कर्मों से विरक्ति, दूर होना
उपरति	यज्ञादि विहित कर्मों से विरक्ति
उपरम	निवृत्ति, उदास
उपरत	ईच्छा से शून्य, निवृत्त, मृत्त
उपसर्जन	उपसर्ग से
उपसंहृत, उपसंहृत	पास, ईकठ्ठ, संक्षिप्त किया हुआ, संगृहीत
उपसम्पाद्यमान	पूरा करने वाला
उपस्थापक	वाच्य को कहने वाला
उपक्षीयमाण	कम होने वाली
उपष्टम्भक	थामने, रोकना
उराक्त	उच्च, भद्र, उदार
उत्कृष्ट	श्रेष्ठ, उतम, प्रमुख, स्वोंच्य, उन्नति, यश
उत्कटता	अत्यधिक, श्रेष्ठ
उत्पद्यमान	पैदा होने वाला
ऊद्ध्वरितस्	जिनका वीर्यपात कभी नहीं होता
ऊर्ध्व	आकाश में उडने वाले, ऊपर, शक्ल
ऊह	पूर्व जन्म के संस्कारों से ज्ञात होना, पदार्थ के विशेष धर्मों का युक्ति से निर्णय करना
ह्रस्वत्व	छेटा, लघु, अल्प
ऐकान्तिक	अवश्य होनेवाले
एकतत्त्व	महत्तत्त्व
एंवकारका	अतः इस रीति से
अक्रमोपारूढ	क्रिया रहित
अप्रतिहत	बाधा रहित
अप्रतिपत्ति	प्रकरण के अज्ञान, दूसरे के सिद्ध किये पक्ष का खण्ड्न न करना अथवा अपने पक्ष पर

	दिये हुए दोष का समाधान न करना
अप्रतिसंक्रम	विषय से सम्बन्ध न होने से, परिणाम-क्रिया और संयोग आदि से रहित
अप्रतिसंक्रमा	किसी विषय से सम्बंध न होने से निर्लेप, परिणाम-क्रिया और संयोग आदि से रहित
अप्रसवधर्मी	न जन्म देने योग्य
आक्रान्त	पकड़ा हुआ, अधिकार में किया हुआ, लदा हुआ, बढ़ा हुआ, प्राप्त किया हुआ
आरुरुक्षु	योगारुढ़ होने की इच्छा रखने वाले
आभ्यन्तर	भीतरी
आचार्यदेशीय	एक साधारण बुद्धि वाले आचार्य, जो आचार्य तो नही है परन्तु लगभग आचार्य जैसा है
आच्छादः	ढकना, छिपाना, कपड़ा, छाजन
औद्वत्य-कोकृत्य	उद्वेग-खेद
औपाधिक	विशेष गुणों से संबन्ध रखने वाला, उपाधि
औपचारिक	लाक्षणिक, आलंकारिक, गौण
औपपादिक देहवाले	बिना माता-पिता के दिव्य शरीर वाले
आगम	उपलब्ध किया ज्ञान, प्रमाणिक, तर्कसंगत, योग्य व्यक्ति, वेद श्रुति आदि प्रमाणिक वचन
आदिमत्	शुरू
आह्निक	अध्याय
आविर्भूत	अभिव्यक्ति, प्रकट होना
आक्षिप्त	नाम
आख्यायिकाएँ	सुसंगत कहानी
आख्यान	कथा

आख्यात	बोलना, घोषणा, कथा, उत्तर
आलोचना	समीक्षा, दर्शन, सर्वेक्षण
आलम्बनीभूत	विषय
आम्रत्व	आम का वृक्ष
आनुपूर्वी	क्रम, परम्परा, सिलसिला, वर्णों का नियमित क्रम
आन्तर	आंतरिक, गुप्त
आस्रव	पीड़ा
आपादन	ले जाना, दूर करना
आपन्न	असंख्य पद रूप जैसा बना हुआ, बन जाना
आपद्	विपदा
आप्त	आगम
आरोह	छोटे से बडा, उपर जाना, सवार, चढ़ाव
आशुविनाशी	शीघ्र विनाश होने वाला
आत्यन्तिक	स्थायी, प्रचुर, सदा रहने वाले
आवृत्ति	लौटना
आवरक	पर्दा
आवर्तन	चक्कर काटना
आरूढ़	सवार
आक्षेप	संदेह, गिरा देना
आयासरहित	प्रयत्न रहित
आयतन	आश्रय
आर्य	आदरणीय, गुरु, योग्य, श्रेष्ठ
अबाधित	रस्सी सर्प की तरह जो नाशवान् न हो
अभीष्ट	प्रशंसा, स्तुति, प्रिय, रुचिकर पदार्थ, इच्छित
अभ्यास	आदत, बार बार किसी कार्य में लगे रहना
अचरितार्थ	जिसने अभीतक प्रयोजन पूरा नहीं किया
अच्छेदद्य	जिसे काटा न जा सके
अदाह्य	जिसे जलाया न जा सके
अध्व	मार्ग

अध्याहार	न्यूनपदता को पूरा करना, अनुमान, तर्क
अध्यास	मिथ्या आरोपण, मिथ्या ज्ञान, प्रधान होना, कुचलना
अध्यात्म	आत्मा या परमात्मा से संबंद्ध रखने वाला
अध्यवसानम्	दो वस्तुओं का एक रूप करना जिससे एक वस्तु दूसरी में वलीन हो जाय, प्रकृत और अप्रकृत वस्तुओं का एक दूसरे में विलीन होना, इच्छा विशेष
अध्यवसायः	प्रयास, प्रयत्न, संकल्प, उद्यम, धैर्य
अग्रवर्ती	आगे रहने वाला
अहोरात्र	एक दिन-रात
अहमिति	मैं हूँ
अर्हत्	जैनियों के देवता
अभिप्रेत	स्वीकृत, प्रिय
अभिभूत	दबना
अभिभव	दमन, हार, दबना
अभिधान	कहना, सकेंत, भाषण, नाम
अभिधायक	वाचक
अभिधेय	नाम के योग्य
अभिघात	प्रहार
अभिहत	मारा गया
अभिनिवेशः	तत्त्वज्ञानपूर्वक त्याग और ग्रहण का निश्श्चय, लगन, अभिलाष, दृढ़,अज्ञान जो मृत्यु के भय का कारण है
अभिव्यंग्य	प्रकाश होने योग्य
अभिज्ञ	जानने वाला, कुशल, दक्ष, चिह्न
अर्चि	किरण
अधिकार-विशिष्ट चित्त	चित्त जो जन्मादि दुःख देने की योग्यता वाला हो
अधिकरण	आशय, स्वामी, प्रधान स्थान पर रहना, संबंध,

	प्रस्ताव, प्रभुता, स्थान, लिंग, अनुरूपता, कारण का अर्थ
अनिर्वचनीय	वर्णन करने अयोग्य, भ्रम, माया
अनिर्ज्ञात	जिसका पता न हो
अस्ति नास्ति	हाँ ना
अस्तिता	सत्ता
अतिदेश	एक कर्म की समानता पर अन्य कर्म का विनियोग
अतिशय	अधिकता कर साथ, बढ़ती, आधिक्या, प्रमुखता, श्रेष्ठता
अतिव्याप्तिः	लक्षण में लक्ष्य के अतिरिक्त अन्य अनभिप्रत वस्तु का भी आ जाना, किसी नियम का अनुचित विस्तार, प्रतिज्ञा में किसी अनभिप्रेत वस्तु का मिला लेना
अर्थिता	इच्छा, चाह
अविद्यास्रव	अज्ञान मल
अविदित	न जाने हुए
अविमिश्र	नित्य
अविविक्त	अमिश्रित
अविविदिषा	वेद ज्ञान की इच्छा में प्रतिबन्धक क्रिया
अविरल	लगातार
अविशेष	बिना किसी भेद के, समता, एकता, समान, दूसरे
अविज्ञेय	अप्रत्यक्ष
अज	अजन्मा, बकरा
अजादि	जो अभी उत्पन्न न हुआ हो
अकर्मण्यता	रुचि न लेना
अकृत-भवनन्यास	किसी एक नियत ग्रह के अभाव होने से अपने शरीररूप ग्रह में ही स्थित
अकुसीद	ऋण देकर मास-मास में धन की वृद्धि (सूद) करना

अलंकार	सजावट, उदाहरण
अमर्ष	असहनशीलता, अपमानित होकर उसको सहन न करके बदला लेने की चेष्टा, त्रोध
अनौचित्य	अनुपयुक्तता
अनालय	स्थान न देना
अनारोहण	न चढ़ना
अनाशय	कर्म की वासना और संस्कारों से रहित
अनात्म	जड़
अनधभास्वर	न पता लगने वाली
अनभिभूत	अतिरस्कृत, न जीता हुआ
अनधिगत	अप्राप्त, अज्ञान
अनतिक्रम	बहुत अधिक नहीं
अनन्तर	पीछे, बराबर
अनपायी	अनश्वर
अनृत	जो सत्य न हो
अनु	पश्चात्
अनुदात्त	जो उदात्त न हो
अनुग्रह	प्रसाद, कृपा, उपकार, अभार
अनुविद्ध	युक्त
अनुकरण	नकल करना
अनुलोम	बहिर्मुख, कार्य की तरफ
अनुमये	अनुमान योग्य
अनुपाती	त्रमिक अनुसरण करने वाला, एक के बाद दूसरे का गिरना
अनुपचरित	जो बर्ता ना जा सके
अनुपतित	त्रामिक अनुसरण
अनुपपत्ति	असफलता, असिद्धि, व्यवहारिक न होना, तर्कयुक्त कारण अभाव
अनुपश्य	देखने वाला
अनुशीलन	सतत (बारंबार) प्रयत्न या अभ्यास
अनुसंधाता	विचार करनेवाला अथवा जानने वाला

अनुसंहार	मिल कर खींचना
अनुस्यूत	सुशृंखलित
अनुताप	पश्चात्ताप, संताप से पीडित
अनुत्पाद	फिर उदय न होना, पैदा न होना
अनुत्पत्ति	पैदा न होना
अनुवर्तन	पूर्व सूत्र से पूर्ति करना
अनुव्यवसायात्मक	व्यवसाय के बाद जो बर्ताव है
अनुव्यवसायवाला	प्रत्यक्ष का बोध
अनुज्ञा	अनुमति, आज्ञा
अनवकाशरूप	अप्रयोज्य, स्थान या कार्य क्षेत्र का अभाव
अन्तःपाती	मन से स्फुरित होने वाले
अन्तर्णीत	के संमंध में, के बीच में
अन्त्य	अन्तिम
अन्वय	संबंध, अनुमान, शब्दो का युक्तियुक्त संबंध, अभिप्राय, कार्य-कारण संबंध, मेल खाता
अन्योन्य	आश्रय, आपस में एक दूसरे पर निर्भर, संबंध
अन्योन्याश्रय	एक दूसरे का सहारा लेना
अन्यता	दूसरे प्रयोजन से
अन्यत्र	दो में से एक, दूसरी अवस्था में, दूसरे स्थान पर
अश्रुत	न सुना हुआ
अप्	जल
अपोह	पदार्थ के विशेष धर्मों का युक्ति से निर्णय करना, युक्ति से आरोपित करना, निषेघात्मक तर्क, युक्ति से आरोपित धर्मों को दूर करना
अपाय	वियोग, बिदाई, नाश, लोप
अपचय	न्यूनता
अपदस्वरूप	अनुपयुक्त आवास, शब्द बिना विभक्ति चिन्ह के
अपेक्षित	जिस की आशा की गई हो, जिस की आवश्यकता हो, जिस का विचार किया गया हो, जिस की तलाश की गई हो
अपेत	ओझल
अपेक्षा	इसकी तुलना में, आशा, चाह, आवश्यकता, विचार उल्लेख, मेलजोल, देखभाल, सम्मान, आकांक्षा
अपरिमित	न मापा हुआ, जो सीमित न हो
अपकार	बुराई करना, दुःख पहुँचाना
अपकृष्टता	दूर हटाना
अपर	पिछला, जैसे बाद में
अपराह्ण	दोपहर के बाद
अपरामृष्ट	अछूता
अपरान्त	अन्तिम क्षण को जहाँ यह क्रम समाप्त होता है
अपरान्तनिर्ग्राह्य	बिना जाने हुए क्षणों के उनमें क्रम नही जाना जा सके
अपवर्ग	निःश्रेय, मोक्ष, कैचल्य, आत्मस्थिति, परमात्मप्राप्ति
अप्यय	व्युत्थान के संस्कारों के दबने का स्थान
असद्रूप	असत् तत् रूप
अशोष्य	जिसे शुष्क न किया जा सके
अशेष	जिसमें बाकी न बचा हो, सम्पूर्ण, समस्त, पूरा
असमवायी	साधारण
असंहत	केवल होने से किसी से नही मिला हुआ
असूया	ईर्ष्या, निन्दा, अपमान, त्रोध, शेष, दूसरों के गुणों में दोष आरोप करना
अतीन्द्रिय	ज्ञानेन्द्रियों की पहुंच के बाहर
अतीव	बहुत अधिक

अत्युक्ति	बढा चढा कर कहना
अक्लेद्य	जिसे गीला न किया जा सके
अवान्तर	अंतर्गत
अर्वाचीन	आज कल के
अवधारण	निश्चय, निंधारण, प्रतिबंधक, अनुभव
अवच्छिन्न	युक्त
अवकाश	स्थान देना
अवरोह	बडे से छोटा
अवसाय	उपसंहार, समाप्ति
अवस्थान	ठहरना
अवश्यम्भावी	अवश्य
अवतरण	स्नान कर लिये पानी में नीचे उतरना
अवयव	भाग, अंश, अंग, तर्क संगत युक्ति, अनुमान का अंग, उपादान, शरीर
अव्याप्ति दोष	परिभाषा में दिये गये लक्षणों का घटित न होना
अव्याकृत	प्रारंभिक
अव्यापी	अपरिवर्तनशील
अव्याप्यवृत्ति	जिस में समस्त ना व्यापा हो, विशेष
अव्यभिचार	वियोग का अभाव
अव्यपदेश्य	उपाधि रहित
अव्यवहित	साथ मिला हुआ, व्यवधान रहित
अव्यय	अपरिर्वतशील, अखंडित, नित्य
अयस्	लोहा
अयस्कातमणि	चुम्बक पत्थर
अयथार्थ	अ + यथार्थ
अयुक्त	असंबंद्ध, अवांछनीय, अप्रिय
अर्यमा	सूर्य, पितरो के प्रधान
भौतिक	स्थूल तत्त्वों से निर्मित
बाधिर्य	बहरापन
भावित	पैदा किया गया, उत्पादित
भावित स्मर्तव्य	भाव वाली स्मृति

बारी	मलेरिया
भास्वर	चमकीला, प्रकाश, आभा
भावान्यथात्व	भाव का दूसरा-पन
भाष्य	सामान्य भाषा में रचना, विशेषकर सूत्रों की वृत्ति
भेद्य	दुःख पाने वाला
भेदक	दुःख देने वाला
बहुव्रीहि	एक प्रकार का समास
भीरु	कायर
भीति	डर
भृत्य	दास
भुक्त-पीत	खाये-पिये
बुद्धयारूढ़	बुद्ध में प्रतिबिम्बत
बुघ्न	उपर पेट वाला
बुद्धि-संवित्	प्रत्यक्ष ज्ञान, चेतना
भूत	जो बनाया गया हो, निर्मित, तत्त्व, अतीत
भवास्त्रव	जन्मेने की इच्छा
चाक	चमक-दमक
चान्द्रायण	व्रत जो चन्द्रमा की वृद्धि और क्षय से विनिमित
चमस	सोमपान करने का लकडी का चमचे के आकार का यज्ञ पात्र
च्युत	गिरा हुआ, भूला हुआ, अलग हुआ
धेनु	दुधार गाय
धृति	पकडना, रखना, स्थापित रखना, स्थैर्य
दार्ष्टान्तिक	दृष्टान्त दे कर समझाया गया, व्याख्या किया गया
दक्षिण	दांया, वाम का उल्टा
दर्प	उतावलापन
दर्शनाकार्येत्यादि	दर्शन और अदर्शन का न होना
दुर्विज्ञेय	कठिनता से ज्ञात होना
दुरत्यय	कठिनता से
दुवृत्त	जो प्रसिद्ध न हो

दूषण	भ्रष्ट, निन्दा, दोष, त्रुटि
ध्यानाहार	बिना अन्नादि के सेवन किये ध्यान मात्र से तृप्त और पुष्ट होने वाले
फलोपहिततया	संबंध
फलानुपधान	फल की विशेषता
गङ्गायां घोषः	झोपडी, ग्वालों की बस्ती
गोबलीवर्दन्याय	
गोमय	गोबर
घोर	भयानक, भयंकर, प्रचण्ड
घातियों	मारने वाले
गर्हण	निन्दा, कलंक, झिड़की, दुर्वचन
गरिष्ट	भारी
गम्य	अर्थयुक्त
घट्	गढना, आकार देना, बनाना, घड़ा
घटः	मिट्टी का मटका
घृत	घी
गुल्फ	गाँठ
गुल्म	गैस
गवादि	गाय आदि
ग्राह्य	धारण करने योग्य, भूत, विषय
ग्राहीतृ	प्रत्यक्ष ज्ञाता, अस्मिता
ग्राहण	धारण करना, ज्ञान, इन्द्रिय
हीति	निश्चय इति
भित्ति	विभाजक
बिड़	एक प्रकार का नमक
चिच्छक्ति	ज्ञान शक्ति
चिति	पुरुष
चिकीर्षा	इच्छा
जिनोपदिष्ट	जैनियों के उपदिष्ट
किंच	कुछ
लिप्सा	प्राप्त करने की इच्छा
मिमांसा	गहन विचार, परीक्षण, पूछताछ
मिश्रक	व्यापारिक वस्तुओं में
	मिलावट करने वाला
निरुपाख्य	असत्, तुच्छ
निर्भ्रात	भ्रान्ति से मुक्त
निर्गत	चला गया
निग्राह्य	रोक रखना, दौड़ कर पकड़ लेना, पराजय, नष्ट करना, दण्ड़, त्रुटि, डंट, सीमा
निग्रह	हार, तर्कगत दोष, अनुमान प्रक्रिया में भूल, त्रुटि, दमन करना, दबाना, रोकना, नियंत्रित रखना, वश में करना
निर्ग्रन्थ	जैन मुनि
निःश्रेयस्	मुक्ति, मोक्ष, बाद में अच्छा
निखिल	संपूर्ण
निमित्त	कारण, प्रयोजन, आधार, हेतु, जैसे जुलाहा
निरिच्छ	निर + इच्छा
निरिन्धन	निर + इन्धन
निर्विशेष	अभिन्न
निक्षिप्त	अस्वीकृत
निकृष्ट	नीच
निरोद्धव्य	निरोध के योग्य
निरोध	वशीकृत
निराकरण	रद्द करना, खण्ड़न, विरोध, निकाल बाहर करना
निरासः	प्रक्षेपण, बाहर फैंक देना, हटाना, उगलना, निराकरण, विरोध
निरंश	निर + अंश
निरसद्	निःसत्तासत्त + निःसदसद्
निरवयव	निर + अव्यव, बिना अंग वाला, टुकड़े के बिना
निवेदित	बतलाना
निवेश	लाना
निवर्त्तक	सम्पन्न
नियति	होनी
तितिक्षा	सहन करना

तिरोभाव	नीचे
विक्रयापन्न	विक्षोभ
विप्रलिप्सा	धोखे में डालने वाला
विप्रतिपत्ति	परस्पर विरोधी पदार्थों के सहभाव, उलटा समझना, विपरीत अथवा निन्दित प्रवृत्ति
विप्रकृष्ट	दूर की
विप्रत्व	ब्राह्मण होना
विभु	आत्मा, स्वामी, व्यापक
विभुता	सर्वोपरि सत्ता, यश, किर्ति
विच्युत	विस्थापित, पातित, अधः
विधारक	चीरने वाला
विदारण	भेद
विध्यर्थ	विधी + अर्थ
विघात	विनाश, हटाना
विग्रह	यथा समास के घटक पदों को पृथक् पृथक् करना, विश्लेषण
विक्रियापन्न	विक्षोभ
विदित	जाने हुए
विहित	आदेश
विजिगीषु	जीतने की इच्छा वाला
विनियोक्तृत्व	विच्छिन
विनियोग	विच्छिन होना, प्रयोग
विशिष्ट	विशेष गुण सम्पन्न, भिन्न
विविदिषा	वेद ज्ञान जानने की इच्छा
विमर्द	चकनाचूर
विमुक्ति	चित्त के अधिकार की समाप्ति
विनष्ट	भ्रष्ट, ध्वस्त
विन्यास	ऊर्ध्व-अधोरूप से फैलाव
विश्रान्ति	विश्राम
विरक्त	उदासीन
विरञ्चि	निर्मित, धारण, संरचना किया हुआ, ब्रह्म
विरहित	शून्य, मुक्त
विशद	पवित्र, विशुद्ध, निर्मल

वितान	आहुति
विवेचनापुरःसर	गुण-दोष विचारण
विवक्षित	अभिप्राय
विवर्जन	हट जाने से
विवृद्धि	विकास
विवर्ती	समुच्चय
विवक्षा	अर्थ, इरादा, प्रयोजन, मानकर, एक मान कर
वित्रासन	भय, डर
वियत्	आकाश
विषम-व्याप्ति	जहाँ धूम है वहीं अग्नि है - पर जहाँ अग्नि है वहाँ धूम भी हो यह नियम नहीं है
जायमान	उत्पन्न
जनक	जन्म देने वाला
जरा	बुढ़ापे के कारण निर्बलता
ज्योतिष्टोमादि	हवन आदि
खद्योत	जुगनु
को भवान्	आप कौन हैं ?
खैर	कथ्था
कोस	दो मील
कोष्ठ	पेट
कालिक	काल से किये हुए
खत्तियों	फसल की रेखा
कारिः	कार्य, कर्म, कलाकार, शिल्पकार
कारिकाकार	लिखने वाला
कालुष्य	मल
कामास्रव	भोग की इच्छा
कामावसायी	काम का दमन, वैराग्य
कामदुघत्वादि	सब ईच्छाओं को पूरा करने वाली काल्पनिक गाय
काष्ठा	सीमा
कतिपय	कुछ
कलांश	परिणाम विशेष
कलुष	मल
कल्पायुषवाले तथा वृन्दारक	पूजने योग्य

कर्मस्थत्व	कर्म में स्थित
कंस (बटखरे)	तोल
कण्टक	काँटा
कृतकृत्य	अन्तिम, निर्णायक
कृश	शिथिल, दुर्बल
कृतकृत्य	अन्तिम, निर्णायक, समापक
कटकादि	कड़ा आदि
करण	कार्य
कुलाल	कुम्हार
ख्याति	वृत्ति
ख्यापन	बोधन
लाधव	अल्पता, लघुता
लोहित	लाल
लोपिन	क्षतिग्रस्त करने वाला, लुप्त होने वाला
लब्ध	उपलब्ध
लभ्य	प्राप्त होने के योग्य
मोड़चाल	सिर नीचे पैर उपर कर चलना
मानसत्व	मन के गुण
मारको	कामदेव, विनाशकर्त्ता, हत्यारा, घातक रोग
मध्यम पुरुष	तू
मेढिकाष्ठ	एक काठ का स्तम्भ जो कि खलिहान के मध्य में खड़ा होता है जिसके चारों ओर बैल घूमते हैं
महार्घ	अति मूल्यवान्
मण्डलस्थ	दायरे में स्थित
मन्युः	त्रोध, रोष, शोक, दयानीय स्थिति
मृद्	गुदगुदाना, स्पर्श करना, मिट्ट की सुगंधि
मृत्तिका	गंधयुक्त ताज़ी मिट्टी
मृषावाद	असत्य
मूलोच्छेद	जड़ से काटना
नोदन	प्रशंसा, स्तुतिः
नाम्नी	नाम वाली

नाईं	जैसा
नद	समुद्र
नैसर्गिक	स्वाभाविक, सहज
नीहार	बर्फ का कुहर
नीवरण	कामुकता
ननु	ओ, अहो
श्रौत	वेद
शृङ्ग	पहाड़ की चोटी, सींग
स्नेह	चिकनापन
श्रूयमान	सुनी हुई
पद्मक	कमल के फूल जैसा, आसन की विशेष मुद्रा
पौर्वापर्य	पहले का और बाद का संबंध
पार्थिव	पृथ्वी संबंधी, मिट्टी का बना हुआ
पञ्चमकार	मांस, मत्स्य, मदिरा, मैथुन और मुद्रा
पार्श्व	पासा
पारमार्थिक	सर्वश्रेष्ठ, यथार्थ, अध्यात्म ज्ञान से संबंध रखने वाला
पञ्चशील	अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और मद्य का निषेध
पार्थक्य	पृथक्ता
पायस	रबड़ी
पाषाण	पत्थर
परिहार	छोड़ना, टाले जाने योग्य, हटाने, त्यागने, निराकरण करना
परिमित	सीमित, मापा हुआ, मितभाषी
परिणत	झुका हुआ, पका हुआ, पूर्ण विकसित, रूपान्तरित, समाप्त
परिपाक	पूरी तरह से पचा हुआ
परिशेष	शेष नतीजा
परिताप	पीड़ा, शोक
परिवेदना	दुःखी
परिवर्जन	छोड़ना, त्यागना, हत्या

पर्जन्य	बरसने वाला मेघ
पल्लव	पत्ते
पनस	कटहल
पट	गूंथना, बुनना, जुलाहा, चित्रकार
पर और अवर	चेतनरूप पुरुष और जड़रुप चित्त
पर-उत्तर	बाद में होने वाला
परापकार	दूसरे को चोट पहुँचाना या बुरा चिन्तन
परविषयिणी व्याप्ति	जो-जो मिलकर कार्य करता है वह-वह परार्थ है
परक्	एक दूसरे से संबंध रखने वाला
परत्व	दूसरा पन
परत्व अपरत्व	आगे, पीछे, निकटता और दूरी
पृष्ठपार्श्व	चूतड़
पृष्ठवंश	रीड़
पुद्गल	शरीर, पंचमहाभूत, आत्मा और परमाणु
पूति	पवित्रीकरण
पुमान्	पुरुष
पुनरुक्ति	दोहराना, अनावश्यक
पुनरावृत्ति	दोबारा लौटने के योग्य
पुनरावर्तनीयरूप	पुन आवर्तनीय रूप = दोबारा लौटने योग्य
पुरीष	मल, मूत्र, स्वेद
पूर्वान्त	पहले क्षण जहाँ क्रम आरम्भ होता है
पूर्वापरभाव	पहले बाद में
पूर्वत्व	पहले वाला
पय	दूध
पर्यन्त	तक फैला हुआ
पर्यवसान	उपसंहार, अन्त, लुप्त
इतरेतर	अन्यथा, उससे भिन्न, अन्यत्र, एक दूसरे की
इयत्ता	अंदाज़, इतना, निश्चित

	माप
ईप्सित	ईच्छित
ईक्षण	दृष्टि, देखना
ईषद्	थोड़ा सा
रेफः कुतो गतः	रेफ (र्) कँहा गया ?
रयि	सक्रिय-प्राण कार्य करता है अक्रिय-रयि (वस्तु) पर
रजो	रस्सी का
रजत	चाँदी
सद्योमुक्ति	जल्दी मुक्ति
सहृत	संक्षिप्त किया हुआ, सगृहीत
सद्रूप	सत् तत् रूप
शोबदेबाज	झूठा दिखलाने वाला
शोभन	भद्र
सोपवर्ग	अपवर्ग
साहचर्य	साथ रहने
साचियोग	कुटिलता
सादि	सारथि, रथवान
सांसिद्धिक	प्राकृतिक, स्वतः, स्फूर्त
सांकर्य	मिश्रण
सांश	स + अंश, अंश के साथ
सान्वय	स + अन्वय, अन्वय के साथ
सास्ना	गौओं के गले में कम्बल-सा लटकता हुआ मांस
सापेक्ष	लिहाज़ करने वाला, निर्भर
सारवान्	जरुरी
सद्वस्तु	सत् वस्तु
सावयव	भागों य अंगों से बना हुआ
शब्दाद्याकारादिवत्	शब्द और आकार जैसा आदि
शैवाल	शिव संबधि
सचिन्त	देख रेख
शील	स्वभाव
सनिमित्त	शास्त्र प्रमाण से सिद्ध
सति	अन्त
सीवन	सुई से सीना
सीवनी	गुदा और उपस्थेन्द्रिय के

	बीच की जगह
संक्रान्त	बदलाव
संप्रतिपत्ति	प्राप्ति, ज्ञान
समाहाररूप	शब्द और वाक्यों का संयोग
समाखों	सम + आखों
समनियत	सम्बन्ध, संलग्न होना
समष्टि	समुच्चयात्मक
समन्वय	पारस्परिक सम्बन्ध
समत्व	समन्वय
समत्वं	एक सा पन, समानता, निष्पक्षता, सन्तुलन, पूर्णता
समुच्चय	संयोग, पुंज, समष्टि
समवाय	प्रगाढ़ मिलाप जैसे अङ्गी और अङ्ग, घनिष्ठ संबंध, सम्मिश्रण
समवेत	अभेद्य रूप से संयुक्त, बड़ी संख्या में सम्मिलित, एकत्रित
सम-व्याप्ति	जहाँ गन्ध है वहीं पृथिवीत्व है और जहाँ पृथिवीत्व है वहीं गन्ध है
संघात	मिलन
संहननम्	सघनता, दृढ़ता, सामर्थ्य, देह, व्यक्ति
संहिताएँ	संग्रह, नियमावली, संकलन
संनिधान	आधार, साथ-साथ
संनिकर्षरूप	सार रूप
संनिवेश	तरकीब
संवित्	बुद्धि-साक्षात्कार-रूप-प्रवृत्ति, प्रत्यक्ष ज्ञान, विषयवती ज्योतिष्मती
संकेत-स्मृति	शुद्ध समृति
संकलित	जोड़
संमत्वं	सम होना
सम्पादनार्थ	पूर्ति के अर्थ, निष्पन्नता
सम्पुट	साथ लगाना
संराधन	प्रकृष्ट, गहन मनन
संसृष्ट	मिश्रित

संस्कार	चित्त में बुनियादि बदलाव, कर्मों की छाप
संवत्सर	कल्प
संव्यवहार	संम व्यवहार
सम्यग्	साथ साथ, स्पष्ट रूप से, शुद्धता पूर्वक
सत्तम	सत्ता
शशः	चन्द्रमा का कलंक
शशविषाण	खरगोश के सींग
शश-शृङ्गादि	खरगोश के सींग आदि
शक्र	ऊर्ध्व
शुद्ध स्मृति	संकेत-स्मृति परित्यागपूर्वक
सुभीते	आसानी
शुभ्र	उज्जवल, चमकीला
सूचीकटाहन्याय	सूई और कड़ाही का न्याय
शुक्ति	सिप्पी
सुमेधा	धारणात्मक शक्ति, प्रज्ञा
शुश्रूषा	कर्तव्यपरायणता
सुरा-मैरेय	मादक पदार्थ
सुतरां	अच्छी प्रकार से, अतः
सुवृत्त	प्रसिद्ध
सर्व पदेषु इति	सब पदों में
सर्वगत	सब जगह गया हुआ
सर्ववित्	सबको जानने वाला
सर्वत्र	प्रत्येक स्थान पर, हर समय
स्फोट	शब्द से उत्पन्न विचार
स्फूर्ति	प्रकाश, ज्ञान जो वृत्ति न हो
स्कन्ध	शाखा, डाली, एकत्र करना
स्मार्त	स्मृति पर आधारित
स्मृति	संस्कार का साक्षात्कार
स्मर्तव्य	स्मृति पर आधारित
स्पृहा	इच्छा, कामना करना
स्थालीपुलाकन्याय	पकते हुए बर्तन में से एक चावल देखने का नीतिवाक्य
स्त्यानमृद्ध	शरीर और मन की आलसता
स्व	अपना, निजी
स्वाप	निद्रा, सवप्न
स्वदेह	अपनी देह

स्वस्तिक	पद्मम
स्वल्प	कम
स्वरस	अभिप्राय
स्वत्व	अपनापन
श्येन	बाज़, शिकारा
ताड़ित	प्रहार
ताण्डुल	चावल
तापक	दुःख देने वाला
तज्जन्य	तत् जन्य
तत्त्वात्मिका	तत्त्व के गुण
तप्य	दुःख पाने वाला
तव मुखे	आप के मुख में
तड़ाग	तालाब
वक्र	टेड़ा
वाचालताराहित	मितभाषी
वाचारम्भण	वाणी का विलास
वार्धक्य	बुढ़ापा
वादी	बुद्धिमान, विद्वान
वाग्	वाणी
वाही	ले जाने वाला
वार्तिक	व्याख्यात्मक अर्थात् अधूरी बात को पूरा करना
वञ्चना	ठगना
वारण	विघ्न
वाञ्छनीय	अभिलाषा करना
वैधर्म्य	लक्षण गुणों का अन्तर, विपरीत धर्म
वैचित्र्य	विचित्रता
वेष्टित	घिरा हुआ
वेला	प्रधानावस्था
वैशारद्य	प्रवीणता
वैषम्य	असमानता
वह्नि	अग्नि
वंश	बाँस
वर्णद्वय	दो वर्ण
वरे	निकट
वृत्ति	क्रम, प्रणाली, अवस्था, दशा, कार्य, गति, रुख, आचरण, त्रियाशीलता का कारण, चक्कर काटना, जटिल रचना जिसकी व्याख्या करने की आवश्यकता पड़े, गतिशीलता, कारण-चित्त का कार्य-वृत्ति
वृत्तिव्याप्यत्व	वृत्ति का व्यापक होना
वृष्टि	बारिश
वरं	पर, श्रेष्ठतर
वत	स्वामित्व, सादृश्य
वक्ष्यमाण	विषय जिस पर विचार चल रहा हो
वयुत्पति	पूरी जानकारी
व्याघात	विघ्न
व्याप्ति	किसी एक पदार्थ का दूसरे पदार्थ में पूर्ण रूप से मिला होना
व्यापाद	द्रोह
व्यावृत्ति	आवरण, निष्कासन, निकाल देना
व्यावृत्त	अलग हटाया हुआ, घिरा हुआ, वापिस लिया हुआ, वियुक्त किया गया, आवरण, निकाल हुआ, पृथक, रुका हुआ, मुड़ा हुआ
व्यावर्तन	घेरना, लपेटना, दुबारा
व्यभिचरित	बहुत अच्छी तरह से लाया गया
व्यतिरेक	भेद, वियोग, मिश्रण, सम्बन्ध
व्यष्टि	एकाकी पन, वैयक्तिकता
व्यपदेश	उपाधि
व्युत्पत्ति	मूल, पूरी जानकारी, ज्ञान
व्यवहृत	सम्पादन
व्यवच्छेद	विभाजन
व्यवहित	व्यवधान अथार्त् आड़ वाली
व्यवसेयरूप	प्रयोग के लिये काबिल,

	उलझा हुआ, जो बसने योग्य न हो
ढाई घड़ी	= एक घण्टा
क्षोभ	उकसाहट, हिलाना, उत्तेजना देना
त्रासोत्पादक	डराने वाला, भयभीत करने वाला
त्रस	जंगल
क्षुधा	भूख
योजन	आठ मील
यावद्	जैसे पहले है
यदृच्छा	इतिफाक
यतिजन	जितने
युञ्जान	जो परमात्मा से सायुज्य प्राप्त करने के लिये योगाभ्यास में व्यस्त, हांकने वाला, जुता हुआ, मिला हुआ
यूथ	भीड़, टोली
षण्डक	नपुंसक